ग्राउंड जीरो में बीएसएफ कमांडर बनेंगे इमरान हाशमी

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान रखने वाले मशहूर एक्टर इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म में एक बीएसएफ कमांडर का किरदार निभाएंगे। फिल्म का नाम ग्राउड जीरो है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने जब से फिल्म ग्राउंड जीरो का एलान किया है तब से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। यह फिल्म देश के लिए बलिदान और राष्ट्र की रक्षा करने वालों पर आधारित होगी। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अब फिल्म का पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में इमरान हाशमी नजर आ रहे हैं।

कब रिलीज होगी ग्राउंड जीरो?

एक्सेल इंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। यह पोस्टर ग्राउंट जीरो का है। इसमें इमरान हाशमी को पीछे की तरफ से दिखाया गया है। इमरान हाश्मी ने टी-शर्ट पहनी हुई है और हाथ में बंदूक ले रखी है। पोस्टर में इमरान हाशमी काफी जोशीले नजर आ रहे हैं। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है एक मिशन की अनकही कहानी जिसने कश्मीर को हमेशा के लिए बदल दिया। इसमें आगे लिखा है कि ये फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ग्राउंड जीरो की कहानी

ग्राउंड जीरो के नए पोस्टर में लिखा है तुझे लाई यहां तेरी मौत फौज, कश्मीर का बदला लेगा गाजी। ग्राउंट जीरो फिल्म में इमरान हाशमी बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका में होंगे। फिल्म की कहानी के मुताबिक वह दो साल तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की जांच करेंगे। ग्राउंड जीरो में मनोरंजक कहानी के साथ एक्शन भी है। फिल्म में इमरान हाश्मी के अलावा साई तमहांकर और मुकेश तिवारी भी हैं।

इमरान हाशमी ने लोगों के साथ मनाया था जन्मदिन

आपको बता दें कि इमरान हाशमी ने 24 मार्च को अपने फैंस और पैपराजी के साथ अपना जन्मदिन मनाया था। उन्होंने इसी दिन अपनी फिल्म आवारापन के दूसरे पार्ट आवारापन 2 का एलान किया था। इमरान हाश्मी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर एक वीडियो शेयर करते हुए ये भी बताया था कि ये फिल्म तीन अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जैसा काम करना चाहती हूं, वैसा मिलता नहीं, पर लोग मुझे भूले नहीं हैं

अपनी पहली ही फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी में गीता राव के किरदार से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह स्क्रीन पर काफी कम नजर आती हैं। चित्रांगदा इसकी वजह मनमाफिक फिल्में ना मिलना बताती हैं। इन दिनों वह अपनी डेब्यू वेब सीरीज खाकी - द बंगाल चैप्टर को लेकर चर्चा में हैं।

आपके चाहने वालों को शिकायत है कि आप काफी कम काम करती हैं। ऐसा क्यों?

हां, मेरा काम थोड़ा काम है। मैं ये मानती हूं कि अभी तक का मेरा बॉडी ऑफ वर्क इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन फिर भी दर्शकों ने मुझे याद रखा है। वे अभी तक मुझे भूले नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूं या ऐसा सोचकर चलती हूं कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूं, वो मिलता नहीं है और जो नहीं करना चाहती हूं, वैसा ही काम आता है। वो होता है ना कि जो आप नहीं करना चाहते, वही ज्यादा आता है। लेकिन अभी मेरी दो और फिल्में (हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2) आएंगी तो प्लीज उन फिल्मों को देखिए और मुझे सपोर्ट कीजिए,क्योंकि थोड़ा अभी काम आ रहा है तो अब आप मुझे ज्यादा देखेंगे। शुरुआत खाकी- द बंगाल चैप्टर से हुई है, जो मेरी डेब्यू सीरीज है।

आपने फिल्म सूरमा से फिल्म निर्माण में भी कदम रखा था। उस ओर आगे क्या कर रही हैं? खुद के लिए कोई फिल्म नहीं बना रहीं?

सूरमा के बाद हम अभी एक और बायॉपिक पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, एक वेब सीरीज भी प्रड्यूस कर रही हूं, जो मैंने लिखी भी है तो उसे लेकर भी मैं बहुत एक्साइटेड हूं। इनमें से एक प्रोजेक्ट में मैं हूं, जबकि दूसरे में मैं फिट नहीं होती हूं।

सीरीज में आप बदलाव के लिए लड़ने वाली लीडर के किरदार में हैं, जिसने हजारों ख्वाहिशें ऐसी की गीता राव की याद ताजा करा दी। शो करते हुए आपको भी ऐसा महसूस हुआ?

बिल्कुल, मुझे सच में लगता है कि गीता राव अगर आज होती तो वहीं होती, जहां पर इस सीरीज का मेरा किरदार निवेदिता है। वह भी कॉलेज के दिनों में राजनीतिक चीजों में इन्वॉल्व थी। एक आदर्शवादी समाज के सपने के लिए सवाल खड़े करना, प्रोटेस्ट करना और बेहतर कल के लिए लड़ना, ये चीजों दोनों में हैं। फिर जो लुक था, कॉटन साड़ी और जब मैंने अपने बाल बांधे तो मुझे लगा कि ओह गॉड, अभी लगभग बीस साल हो गए हैं, मगर दोनों में कितनी समानता है, तो निश्चित तौर पर इसमें मुझे गीता राव की झलक दिखी।

पॉलिटिकल किरदारों में आप हमेशा जंची हैं। किसी रियल लाइफ नेता की बायॉपिक करना चाहेंगी?

रियल लाइफ नेता तो नहीं, मगर सुचित्रा सेन की जो फिल्म है आंधी, अगर उसका रीमेक हो, तो वो जरूर करना चाहूंगी। उन्होंने इतनी खूबसूरती से वो किरदार निभाया है, वो इतनी कमाल की ऐक्ट्रेस हैं और यह सिर्फ राजनीतिक किरदार निभाने की बात नहीं है, उसकी निजी जिंदगी में भी जो चीजें होती हैं, मतलब वो मर्दों की दुनिया में एक औरत की जंग वाली बात है। ऐसा अगर कुछ किरदार हो तो जरूर करना चाहूंगी।

खाकी की बात करें, तो आपका पसंदीदा ऑनस्क्रीन खाकी वाला किरदार कौन सा है?

दबंग चुलबुल पांडे, वह बहुत ही एंटरटेनिंग पुलिसवाले हैं। मैं दिल्ली से हूं। मैंने मेरठ में वक्त बिताया है, पढ़ाई-लिखाई की है, तो यूपी का जो करेक्ट फ्लेवर उन्होंने पकड़ा था, वो बहुत कमाल था।

सीरीज में आपका किरदार निवेदिता एक मजबूत महिला है, मगर एक मौके पर वह कमजोर भी पड़ती है। आपकी जिंदगी का सबसे मजबूत और कमजोर पल कौन सा रहा?

कमजोर पल वही होता है, जो परिवार से जुड़ा होता है। फैमिली को लेकर आप बहुत भावुक होते हैं, तो जब उसमें कुछ गलत होता है तो बहुत गहरा असर पड़ता है और वह असर बहुत समय तक रहता है। वह आपको तोड़ देता है। वहीं, मजबूत पल वही रहा, जब उस चीज से बाहर निकलकर आई। वो जरूरी भी है क्योंकि जब भी आप टूटते हैं, तो उस दौर से और ज्यादा मजबूत होकर उभरते हैं।

साउथ में क्यों नहीं चल पाती बॉलीवुड की फिल्में? सलमान ने बताई ये वजह

सलमान खान अपनी फिल्म 'सिकंदर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेता ने मीडिया से बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों पर खुलकर बात की। इस बातचीत में सलमान ने साउथ के कलाकारों के बॉलीवुड में प्रदर्शन और बॉलीवुड की फिल्मों के साउथ में प्रदर्शन पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में बॉलीवुड फिल्मों की चुनौतियों और बजट पर भी बात की।

बॉलीवुड की फिल्मों को दक्षिण में करना पड़ता है संघर्ष

अभिनेता से जब साउथ मार्केट में बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी फिल्मों को वहां लोकप्रियता के मामले में कठिन संघर्ष का सामना करना पड़ता है। सलमान ने कहा, दक्षिण में फैंस की संख्या मजबूत है। हालांकि, मुझे प्रशंसकों से अपार प्यार मिलता है, लेकिन जब मेरी फिल्में वहां रिलीज होती हैं तो यह हमेशा बॉक्स-ऑफिस पर सफलता में तब्दील नहीं होती है।

बॉलीवुड फिल्में साउथ में क्यों नहीं कर पाती अच्छा प्रदर्शन?

सलमान खान ने बॉलीवुड में दक्षिण भारतीय फिल्मों के और बॉलीवुड फिल्मों के दक्षिण भारतीय इंडस्ट्री में प्रदर्शन के बीच अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, रजनीकांत, चिरंजीवी, सूर्या और अन्य दक्षिण भारतीय सितारों को बॉलीवुड में बहुत ज्यादा फैंस मिले हैं और हम उनकी फिल्में देखने जाते हैं, लेकिन हमेशा उल्टा नहीं होता है। सलमान ने कहा कि जितना प्यार दक्षिण भारतीय फिल्मों को हिंदी पट्टी में मिलता है उसकी तुलना में बॉलीवुड की फिल्मों को नहीं मिलता और बॉक्स ऑफिस नंबर हासिल करने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है।

बड़ी बजट की फिल्मों की आलोचना की

सलमान ने पैन इंडिया फिल्मों की बढ़ती प्रमुखता और इन फिल्मों के बजट पर भी बात की। उन्होंने कहानी और बजट को महत्वपूर्ण बताया। सलमान ने कहा, पुष्पा और उसके जैसी फिल्में दिखाती हैं कि कैसे एक क्षेत्र का सिनेमा पूरे भारत में लोकप्रिय हो सकता है। इस तरह के पैमाने पर फिल्में बनाने के लिए पर्याप्त बजट और एक ऐसी स्क्रिप्ट की जरूरत होती है जो सभी को पसंद आए। इस दौरान सलमान खान ने अपने ज्यादा बजट की फिल्मों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, हम अपने बजट के साथ पूरी तरह से गलत हो रहे हैं। एक बार जब हम इसे नियंत्रित कर लेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।

नेपोटिज्म पर बोले?

इस बातचीत के दौरान सलमान खान ने बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सेल्फ मेड जैसी कोई चीज नहीं होती। अभिनेता ने कहा, नेपोटिज्म हमेशा से इंडस्ट्री में रहा है। लोग नेपोटिज्म की आलोचना करते हैं, लेकिन अगर आप गौर करें तो पाएंगे कि हर किसी के किसी न किसी रूप में कनेक्शन होते हैं। इन मुद्दों के अलावा भी सलमान खान ने अपने निजी जीवन और अन्य विषयों पर भी चर्चा की।

द भूतनी में नफ़रत और प्यार दोनों से रुबरु कराएंगी मौनी रॉय

मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं! उनकी अगली बड़ी फिल्म द भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज़ होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर बेयूनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी करेगी। फ़िल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फ़िल्म के टाइटल का अनावरण किया था, जिसके साथ एक छोटा सा टीज़र भी जारी किया गया था, जो काफी डरावनी थी! और अब, निर्माताओं ने फ़िल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नज़र आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आँखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखा गया टैगलाइन—प्यार या प्रलय आपको सिहरन पैदा कर देगी। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म द भूतनी के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है जब से फिल्म का पहला लुक जारी हुआ है। उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने और जोखिम उठाने के लिए नेटिज़न्स द्वारा भी सराहा जा रहा है। द भूतनी की रिलीज़ के बाद, अभिनेत्री अगली बार खुदा हाफ़िज़ के निर्देशक फ़ारूक कबीर के साथ सलाकार में नजर आएंगी। फिल्म में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी जा रही है। ऐसा लगता है कि हमें मौनी द्वारा खुद इसकी घोषणा करने का इंतज़ार करना होगा।

साउथ सिनेमा से इंप्रेस सनी देओल, ये बॉलीवुड एक्टर भी कर चुके हैं दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय

अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'जाट' जल्द रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी है। वह दक्षिण भारतीय फिल्ममेकर हैं। निर्देशक के साथ फिल्म में काम करके सनी देओल काफी प्रभावित हैं। सनी देओल ने तो दक्षिण भारत में जाकर बसने का मन भी बनाया है। वह दक्षिण भारतीय निर्देशकों के साथ आगे भी काम करने की इच्छा जता चुके हैं।

सनी देओल ही नहीं कई और बॉलीवुड कलाकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रूख कर चुके हैं। जानिए, ऐसे ही कुछ बॉलीवुड एक्टर्स के बारे में जिन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में दमदार किरदार निभाए हैं।

बॉबी देओल

सनी देओल के भाई बॉबी देओल ने साल 2024 में दक्षिण भारतीय फिल्म 'कंगुवा' में विलेन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में मुख्य भूमिका में सूर्या नजर आए थे। फिल्म की कहानी में बॉबी और सूर्या ने योद्धाओं की भूमिका की। इस फिल्म के निर्देशक शिवा थे। इसी के साथ बॉबी कोली निर्देशित दक्षिण भारतीय फिल्म 'डाकू महाराज(2025)' में भी बॉबी देओल नजर आए थे।

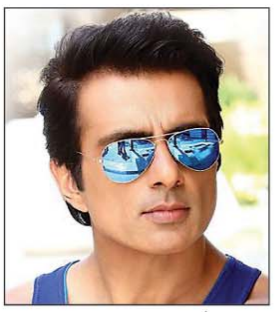

सोनू सूद

अभिनेता सोनू सूद ने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है। लेकिन उनकी सबसे चर्चित फिल्म 'अरुंधति (2009)' थी। फिल्म में अनुष्का शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में सोन सूद ने विलेन की भूमिका निभाई। वह एक प्रेत की भूमिका में थे। इस फिल्म के निर्देशक कोडी रामकृष्ण हैं।

विवेक ओबेरॉय

जब विवेक ओबेरॉय का करियर बॉलीवुड में ठीक नहीं चल रहा था तो उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू किया। विवेक ने कई साउथ की फिल्मों में नेगेटिव रोल किए। इन फिल्मों में 'विवेगम', 'लूसिफेर' और 'रुस्तम' जैसी फिल्में शामिल हैं। शिवा निर्देशित फिल्म 'विवेगम(2017)' में विवेक ने विलेन का रोल किया। इसमें मुख्य भूमिका में दक्षिण भारतीय अभिनेता अजीत नजर आए। इस फिल्म से विवेक दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों के बीच काफी मशहूर हो गए।

संजय दत

संजय दत ने साल 2023 में एक तमिल फिल्म 'लीयो' की थी। इसमें विजय हीरो के रोल में दिखे। फिल्म को लोकेश कनगराज ने निर्देशित किया। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में संजय दत को काफी पसंद किया गया। वह अपने अभिनय से दक्षिण भारतीय दर्शकों को प्रभावित करने में सफल हुए।